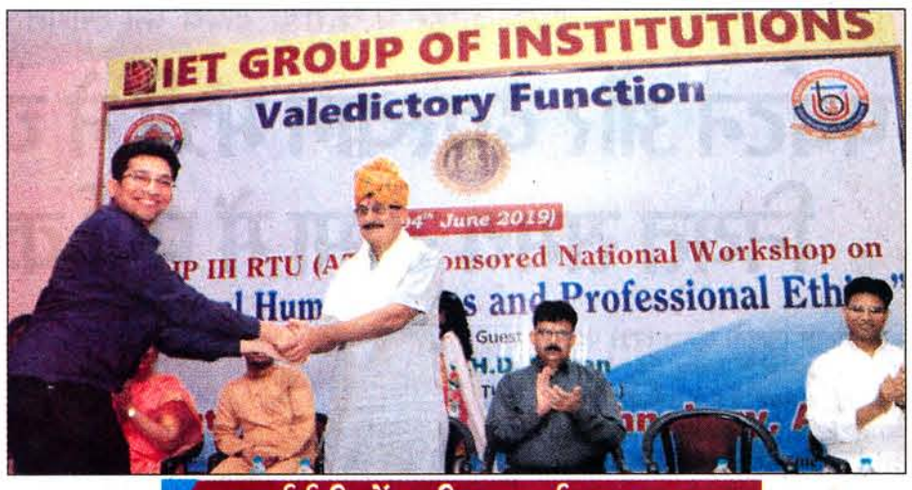

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

मानवीय एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन कर अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए सार्थक बनाए-चारण

अलवर (बढ़ता राजस्थान)। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आई.ई.टी. कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) में 08 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच डी चारन ने अपने उद्बोधन में कहा कि किस तरह मानव अपने युवावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक विभिन्न चरणों में आर्थिक, सामाजिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन कर अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए सार्थक बना सकता है। वर्तमान समय में मानवीय मूल्यों में आई गिरावट को देखते हुए तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा व्यवसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को मानवीय मूल्य एवं नीति परख शिक्षा देने का कार्य करवाया जायेगा। इस तरह के प्रशिक्षणों एवं नोडल सेन्टर को प्रारम्भ करने की पहल करने वाला बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर आईईटी ग्रुप की निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे पूरक हैं संस्कार के बिना शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है। आई ई टी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी सहभागियों को उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आई ई टी कॉलेज आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कटीबद्ध रहेगा। अतिथियों द्वारा सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौदिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. धनेश सांभरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, सनराईज विश्वविद्यालय के निदेशक इंजि. दीपकमल अग्रवाल, प्रो. अंकित कलारिया सहित अलवर जिले के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आईईटी. कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) द्वारा प्रायोजित 8 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को आईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. वी. के. अग्रवाल, ग्रुप अधिषाशी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौरिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आर.टी.यू.) से डॉ. डी. के. साबरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (ए.के.टी.यू. लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, प्रो. अंकित कलारिया जैसे विद्वान मुख्य वक्ताओं द्वारा मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यशाला के आयोजन को लेकर आईईटी के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा एवं समन्वयक डॉ. प्रताप सिंह पटवाल ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं ने वर्तमान जीवन परिदृष्य में मानवीय मूल्यों एवं व्यावसायिक नैतिकता की महत्ता बताते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य मधुर सामंजस्य स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनावपूर्ण जीवन के बीच मानव किस प्रकार एक दूसरे की सहायता द्वारा अपने लक्ष्यों को आसानी से अर्जित कर सकता है।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत

अलवर. मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत नैतिक शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला बुधवार को शुरू हुई।कार्यशाला की शुरुआत आई.ई.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन वी. के. अग्रवाल, ग्रुप अधिशासी निदेशिका मंजू अग्रवाल, प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से अल्का स्वामी, रूमा भदौरिया, सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आर.टी.यू.) से डी. के. साम्बरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (ए.के.टी.यू. लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, प्रो. अंकित कलारिया ने की।कार्यशाला के आयोजन को लेकर आई.ई.टी. के प्राचार्य अनिल कुमार शर्मा एवं समन्वयक डॉ. प्रताप सिंह पटवाल ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत अलवर जिले के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से आए लगभग 100 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया है।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

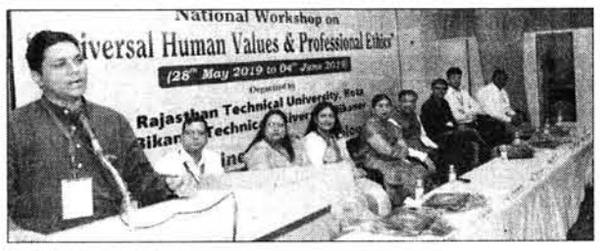

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आईईटी कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) द्वारा प्रायोजित 08 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ आज आईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. वीके अग्रवाल, ग्रुप अधिशाषी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल, प्राचार्य प्रो. डॉ. अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौरिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. डीके साम्ब्रिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय(एकेटीयू) लखनऊ से प्रो. गोपाल बाबू, प्रो. अंकित कलारिया जैसे विद्वान मुख्य वक्ताओं द्वारा मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यशाला के आयोजन को लेकर आईईटी के प्राचार्य प्रो. डॉ. अनिल कुमार शर्मा एवं समन्वयक डॉ. प्रताप सिंह पटवाल ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं ने वर्तमान जीवन परिदृष्य में मानवीय मूल्यों एवं व्यावसायिक नैतिकता की महत्ता बताते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य मधुर सामंजस्य स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनावपूर्ण जीवन के बीच मानव किस प्रकार एक-दूसरे की सहायता द्वारा अपने लक्ष्यों को आसानी से अर्जित कर सकता है। राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत अलवर जिले के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से आए लगभग 100 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया है, एवं उन्होंने कार्यशाला के अंतर्गत मुख्य वक्ताओं द्वारा दिये गये मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता के पाठ की हृदय से सराहना की। बड़ी संख्या में विद्वानों एवं शिक्षकों के अंतर्गत बहुत उत्साह है एवं अगले 8 दिवस तक कार्यशाला में मानवीय मूल्यों के बारे में गहन चिन्तन एवं मनन किया जाएंगा।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

अलवर (का.सं.)

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आई.ई.टी. कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) में 08 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज समापन हो गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच डी चारन ने अपने उद्बोधन में कहा कि किस तरह मानव अपने युवावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक विभिन्न चरणों में आर्थिक, सामाजिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन कर अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए सार्थक बना सकता है। वर्तमान समय में मानवीय मूल्यों में आई गिरावट को देखते हुए तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा व्यवसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को मानवीय मूल्य एवं नीति परख शिक्षा देने का कार्य करवाया जायेगा। इस तरह के प्रशिक्षणों एवं नोडल सेन्टर को प्रारम्भ करने की पहल करने वाला बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर आई ई टी ग्रुप की निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे पूरक हैं संस्कार के बिना शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है। आईईटी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी सहभागियों को उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आई ई टी कॉलेज आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कटीबद्ध रहेगा। अतिथियों द्वारा सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौदिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. धनेश सांभरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, सनराईज विश्वविद्यालय के निदेशक इंजि. दीपकमल अग्रवाल, प्रो. अंकित कलारिया सहित अलवर जिले के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रतिनिधि भी मॉजूद रहे।

राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

अलवर| आईईटी कॉलेज में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा एवं तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) द्वारा प्रायोजित आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को आईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. वीके अग्रवाल व ग्रुप अधिषासी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने किया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं ने वर्तमान परिदृष्य में मानवीय मूल्यों एवं व्यावसायिक नैतिकता की महत्ता बताते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य मधुर सामंजस्य स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनावपूर्ण जीवन के बीच मानव किस प्रकार एक-दूसरे की सहायता द्वारा अपने लक्ष्यों को आसानी से अर्जित कर सकता है। राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत अलवर जिले के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से आए लगभग 100 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। इस मौके पर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौरिया सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

जागरूक टाइम्स संवाददाता

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आईईटी कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) में 8 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच डी चारन ने अपने उद्बोधन में कहा कि किस तरह मानव अपने युवावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक विभिन्न चरणों में आर्थिक, सामाजिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन कर अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए सार्थक बना सकता है। वर्तमान समय में मानवीय मूल्यों में आई गिरावट को देखते हुए तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा व्यवसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को मानवीय मूल्य एवं नीति परख शिक्षा देने का कार्य करवाया जायेगा। इस तरह के प्रशिक्षणों एवं नोडल सेन्टर को प्रारम्भ करने की पहल करने वाला बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय है। इस अवसर पर आई ई टी ग्रुप की निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने सभी सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे पूरक हैं संस्कार के बिना शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है। आई ई टी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी सहभागियों को उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आई ई टी कॉलेज आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कटीबद्ध रहेगा। अतिथियों द्वारा सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौदिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. धनेश सांभरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, सनराईज विश्वविद्यालय के निदेशक इंजि. दीपकमल अग्रवाल, प्रो. अंकित कलारिया सहित अलवर जिले के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ

अलवर (का.सं.)

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु रा'य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आई.ई.टी. कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) द्वारा प्रायोजित 8 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ आई.ई.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ0 वी. के. अग्रवाल, ग्रुप अधिषासी निदेशिका डॉ0 मंजू अग्रवाल, प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ0 अल्का स्वामी, डॉ0 रूमा भदौरिया, डॉ0 सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आर.टी.यू.) से डॉ0 डी0 के0 साम्बरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (ए.के.टी.यू. लखनऊ) से प्रो0 गोपाल बाबू, प्रो0 अंकित कलारिया जैसे विद्वान मुख्य वक्ताओं द्वारा किया गया। कार्यशाला के आयोजन को लेकर आई.ई.टी. के प्राचार्य प्रो0(डॉ0) अनिल कुमार शर्मा एवं समन्वयक डॉ0 प्रताप सिंह पटवाल ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं ने वर्तमान जीवन परिदृष्य में मानवीय मूल्यों एवं व्यावसायिक नैतिकता की महत्ता बताते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य मधुर सामंजस्य स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनावपूर्ण जीवन के बीच मानव किस प्रकार एक-दूसरे की सहायता द्वारा अपने लक्ष्यों को आसानी से अर्जित कर सकता है। बड़ी संख्या में विद्वानों एवं शिक्षकों के अंतर्गत बहुत उत्साह है एवं अगले 8 दिवस तक कार्यशाला में मानवीय मूल्यों के बारे में गहन चिन्तन एवं मनन किया जाएंगा। आईईटी ग्रुप की निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे पूरक हैं संस्कार के बिना शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है। आई ई टी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी सहभागियों को उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आई ई टी कॉलेज आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कटीबद्ध रहेगा।

नीति परख शिक्षा देने का कार्य कराया जाएगा-प्रो. चारण

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

निजी संवाददाता

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। ये बात मंगलवार को आईईटी कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) में आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन पर बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच डी चारन ने कही। वे इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस तरह मानव अपने युवावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक विभिन्न चरणों में आर्थिक, सामाजिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन कर अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए सार्थक बना सकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को मानवीय मूल्य एवं नीति परख शिक्षा देने का कार्य कराया जायेगा।

आईईटी कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

अलवर| आईईटी कॉलेज में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा एवं तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) के तहत आयोजित आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। मुख्य अतिथि तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. एचडी चारन ने कहा कि वर्तमान समय में मानवीय मूल्यों में आई गिरावट को देखते हुए तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके माध्यम से शिक्षकों को मानवीय मूल्य एवं नीति परख शिक्षा देने का कार्य करवाया जाएगा। आईईटी ग्रुप की निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे पूरक हैं। कार्यक्रम में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौदिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. धनेश सांभरिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, सनराईज विश्वविद्यालय के निदेशक दीपकमल अग्रवाल, प्रो. अंकित कलारिया सहित जिले के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

जागरूक टाइम्स संवाददाता

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी जो कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा नामित मानवीय मूल्यों में सुधार हेतु राज्य के पांच नोडल केन्द्र में से एक है। आईईटी कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टिक्यूप-तृतीय) द्वारा प्रायोजित 8 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ आज आईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. वीके अग्रवाल, ग्रुप अधिषासी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल, डॉ. अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. अल्का स्वामी, डॉ. रूमा भदौरिया, डॉ. सुधीर भारद्वाज, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) से डॉ. डीके साम्ब्रिया एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू लखनऊ) से प्रो. गोपाल बाबू, प्रो. अंकित कलारिया जैसे विद्वान मुख्य वक्ताओं द्वारा मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यशाला के आयोजन को लेकर आईईटी के डॉ. अनिल कुमार शर्मा एवं समन्वयक डॉ. प्रताप सिंह पटवाल ने बताया कि कार्यशाला का विषय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता' रखा गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं ने वर्तमान जीवन परिदृष्य में मानवीय मूल्यों एवं व्यावसायिक नैतिकता की महत्ता बताते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य मधुर सामंजस्य स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनावपूर्ण जीवन के बीच मानव किस प्रकार एक-दूसरे की सहायता द्वारा अपने लक्ष्यों को आसानी से अर्जित कर सकता है। राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत अलवर जिले के विभिन्न इंजिनियरिंग महाविद्यालयों से आए लगभग 100 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया है, एवं उन्होंने कार्यशाला के अंतर्गत मुख्य वक्ताओं द्वारा दिये गये मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता के पाठ की हृदय से सराहना की। बड़ी संख्या में विद्वानों एवं शिक्षकों के अंतर्गत बहुत उत्साह है एवं अगले 08 दिवस तक कार्यशाला में मानवीय मूल्यों के बारे में गहन चिन्तन एवं मनन किया जाएंगा। गौरतलब है कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. एचडी चारन ने राजस्थान में मानवीय मूल्यों की शिक्षा का इंजीनियरिंग शिक्षा में समावेश करवाया तथा सभी शिक्षकगणों को मानवीय मूल्यों की शिक्षा में प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य शुरू किया है।